

बी.ए./बी.एस.सी. तृतीय वर्ष
प्रश्न पत्र-प्रथम
सुदूर संवेदन एवं भौगोलिक सूचना प्रणाली
(पेपर कोड - 0248)

अधिकतम अंक: 50

- इकाई -1 :** सुदूर संवेदन का अर्थ तथा आधारभूत संकल्पना : परिभाषा, इतिहास, एवं विषय क्षेत्र; विद्युत चुम्बकीय विकिरण : विशेषताएँ, वर्णक्रमीय (SPECTRAL) प्रदेश एवं बैंड; पृथ्वी के धरातल एवं वायुमण्डल के साथ विकिरण अर्जा की अन्योन्यक्रिया, वर्णक्रमीय (SPECTRAL)लक्षण ।
- इकाई -2 :** सुदूर संवेदन के प्रकार : वायु जनित एवं अंतरिक्ष जनित; हवाई छायाचित्र : प्रकार एवं विशेषताएँ; सुदूर संवेदन उपग्रह : प्लेटफार्म एवं संवेदक : सक्रिय एवं निष्क्रिय, संवेदक की विशेषताएँ : स्थानिक विभेदन, वर्णक्रमीय (SPECTRAL) विभेदन, रेडियोमेट्रिक विभेदन, अल्पकालिक विभेदन, उत्पाद ।
- इकाई -3 :** चाक्षुष एवं अंकीय बिम्ब प्रक्रियान्वयण तकनीक; संसाधन मानचित्रण एवं पर्यावरण नियंत्रण में सुदूर संवेदन अनुप्रयोग, भारत में सुदूर संवेदन; उद्भव एवं विकास ।
- इकाई -4 :** भौगोलिक सूचना प्रणाली का परिचय : भूसूचना की परिभाषा, भूसूचना का महत्व एवं विषय क्षेत्र, भौगोलिक सूचना प्रणाली का इतिहास, जी0 आई0 एस0 की संकल्पना, जी0 आई0 एस0 के कार्य - आंकड़ा प्रवेश, संचालन, परिचालन, प्रबंधन, त्रुटि संसूचन, विश्लेषण एवं प्रदर्शन, धरातलपत्रक, सर्वेक्षण, हवाई बिम्ब, उपग्रह आंकड़े एवं बिम्ब, आकड़ों के प्रकार धरातलीय एवं अधरातलीय या लाक्षाणिक ।
- इकाई-5 :** आंकड़ा मॉडल एवं आंकड़ा विश्लेषण : रॉस्टर आंकड़ा एवं उसकी विशेषताएँ, वेक्टर आंकड़ा एवं उसकी विशेषताएँ, रास्टर आंकड़ा विश्लेषण : ग्रिड सेल अथवा पिक्सल, वेक्टर आंकड़ा विश्लेषण धरातलीय आंकड़ा, वेक्टर प्रारूप की रचना धरातलीय एवं अधरातलीय आंकड़ा प्रबंधन, धरातलीय सूचना तकनीक ।

Books Recommended:

1. Bhatta, B. (2010): Remote Sensing and GIS, Oxford University Press, New Delhi.
2. Campbell, J.B. (2002): Introduction to Remote Sensing. 5th edition, Taylor and Francis, London
3. Curran, P.J. (1985): Principles of Remote Sensing, Longman, London
4. Kang-tsung Chang (2003) Geographic Information Systems, Tata McGraw Hill, New Delhi
5. Lillesand, T.M. and Kiefer, R.W. (2000): Remote Sensing and Image Interpretation. 4th edition. John Wiley and Sons, New York
6. Lo Albert, C.P., and Young, K.W (2003) Concepts and Techniques of Geographical Information Systems, Prentice Hall of India Pvt. Ltd., New Delhi.
7. Nag Prithvish and Kudrat M. (1998): Digital Remote Sensing, Concept Publishing Company, New Delhi
8. Star J, and J. Estes, (1994), Geographic Information Systems: An Introduction, Prentice Hall, New Jersey.
9. Williams J. (1995): Geographic information from space, John Wiley and Sons, England,

10. चौनियाल, देवी दत्त (2004), सुदूर संवेदन एवं भौगोलिक सूचना प्रणाली, शारदा पुस्तक भवन, इलाहाबाद-2.

बी.ए./बी.एस.सी. तृतीय वर्ष
प्रश्न पत्र-द्वितीय
छत्तीसगढ़ का भूगोल
(पेपर कोड - 0249)

अधिकतम अंक : 50

- इकाई -1.** भौतिक स्वरूप भौमिकीय संरचना उच्चावच, भूआकृतिक प्रदेश, अपवाह, जलवायु ।
- इकाई -2.** प्राकृतिक संसाधन-मिट्टी, प्रकार, विशेषताएँ, वितरण, जलसंसाधन: प्रमुख सिंचाई और बहुउद्देशीय परियोजनाएँ, वन : प्रकार, वितरण, वनों का संरक्षण, खनिज संसाधन - लौह अयस्क, कोयला डोलोमाइट, चुना पत्थर और बाक्साइट छत्तीसगढ़ में शक्ति के संसाधन ।
- इकाई -3.** कृषि- प्रमुख खाद्यान्न फसलें, दलहन एवं अन्य फसलें, जनसंख्या- वृद्धि, वितरण और घनत्व, जनजातिय जनसंख्या । ग्रामीण और नगरीय जनसंख्या ।
- इकाई -4.** उद्योग, लौह इस्पात उद्योग, सिमेंट चीनी, एल्युमिनीयम, छत्तीसगढ़ के औद्योगिक प्रदेश ।
- इकाई -5.** व्यापार, परिवहन, पर्यटन, छत्तीसगढ़ का सामाजिक आर्थिक विकास ।

Books Recommended:

1. Jha, Vibhash Kumar and Saumya Naiyyar (2013) Chhattisgarh Samagra, Chhattisgarh Rajya Hindi Granth Akadmi, Raipur
2. Kumar, Pramila (2003): Chhattisgarh Ek Bhugolik Addhyayan. Madhya Pradesh Hindi Granth Akadmi, Bhopal
3. Nagesh Jitendra and at all (2014): Chhattisgarh Sandarbh 2014 Jansanmpark Vibhag, C.G. Govt., Raipur
4. Tiwari, Vijay Kumar (): Geography of Chhattisgarh, Himalya Publishing House, Pvt. Ltd
5. Tripathi, Kaushlendra and Pursottam Chandrakar (2001): Geography of Chhattisgarh, Shardaprakashan, Aazad Nagar , Bilaspur.
6. Verma ,L.N. (2017): Geography of Chhattisgarh, Madhya Pradesh Hindi Granth Akadmi, Bhopal

बी.ए./बी.एस.सी. तृतीय वर्ष
प्रश्न पत्र—तृतीय
प्रायोगिक भूगोल

अधिकतम अंक : 50

खण्ड (अ)

मानचित्र पठन एवं निर्वचन

20

इकाई –1. बैन्ड ग्राफ, हीदर ग्राफ, क्लाइमोग्राफ, पवनारेख ।

इकाई –2. भारतीय स्थलाकृतिक मानचित्र की व्याख्या प्रकार, वर्गीकरण धरतलीय मानचित्र के प्रकार एवं विप्लेषण, राष्ट्रीय एवं अन्तरराष्ट्रीय, भौतिक एवं सांस्कृतिक तत्वों के आधार पर विप्लेषण ।

इकाई –3. उपग्रह बिम्ब : प्रारम्भिक सूचनाओं की व्याख्या बिम्ब निर्वचन : चाक्षुश विधि – भूमि उपयोग भूमि आच्छादन मानचित्रण, जी0 पी0 एस0 का उपयोग एवं अनुप्रयोग ।

खण्ड (ब)

सर्वेक्षण एवं क्षेत्रीय प्रतिवेदन

20

इकाई –4. सर्वेक्षण , समपटल सर्वेक्षण, प्रतिच्छेदन एवं स्थिति निर्धारण ।

इकाई –5. भूगोल में क्षेत्रीय कार्य का महत्व किसी छोटे क्षेत्र का भौतिक सामाजिक आर्थिक सर्वेक्षण और रिपोर्ट तैयार करना ।

प्रायोगिक पुस्तिका और मौखिक परिक्षण परीक्षा

10

Books Recommended:

1. Archer, J.E. and Dalton, T.H. (1968): *Field Work in Geography*. William Clowes and Sons Ltd. London and Beccles.
2. Bolton, T. and Newbury, P.A. (1968): *Geography through Fieldwork*. Blandford Press, London.
3. Campell, J. B. (2003): *Introduction to Remote Sensing*. 4th edition. Taylor and Francis, London.
4. Chaunial, D. D. (2004): *Remote Sensing and Geographical Information System*(in Hindi), Sharda Pustak Bhawan, Allahabad
5. Cracknell, A. and Ladson, H. (1990): *Remote Sensing Year Book*. Taylor and Francis, London.
6. Curran, P.J. (1985): *Principles of Remote Sensing*. Longman, London.
7. Davis, R.E. and Foote, F.S. (1953): *Surveying*, 4th edition, McGraw Hill Publication, New York
8. `
9. Deekshatulu, B.L. and Rajan, Y.S. (ed.) (1984): *Remote Sensing*. Indian Academy of Science, Bangalore.
10. Floyd, F. and Sabins, Jr. (1986): *Remote Sensing: Principles and Interpretation*. W.H. Freeman, New York.
11. Gautam, N.C. and Raghavswamy, V. (2004). *Land Use/ Land Cover and Management Practices in India*. B.S. Publication., Hyderabad.
12. Jensen, J.R. (2004): *Remote Sensing of the Environment: An Earth Resource Perspective*. Prentice-Hall, Englewood Cliffs, New Jersey. Indian reprint available.